THE SILENT MESSAGE

connect. create. convey

नयी दिशा

NEW DIRECTION

A Philosophy, A Mindset

एक नयी दिशा है, नयी दिशा,
एक नयी दिशा है ।
इस नयी दिशा से चलकर देखें,
नयी दिशा ।।

संबंधों का अजीब चक्कर,
आपस में अपनों से टक्कर;
दुःख देतें हैं, दुःख लेतें हैं,
आख़िर ऐसे क्यों कर?

इस नयी दिशा की तेहज़ीब क्या है?
इस नयी दिशा की तरक़ीब क्या है?
यह नया सलीक़ा, नया तरीक़ा;
नयी सोच, नयी पहचान; है कैसी दिशा?

है सरल दिशा, ख़ुला है भेद,
नया माध्यम, वही संकेत ।
नयी है आशा; अभिलाषा,
प्रेम है इसकी परिभाषा, है ऐसी दिशा ।।

सुनने का है ढंग नया,
कहने का है रंग नया ।
नज़र वही; नज़रिया नयी;
साज़ वही, आवाज़ नयी, है ऐसी दिशा ।।

गुण देखें, अवगुण न देखें,
ख़ुद को बस अगले में देखें;
विचार की धारा देखें,
उसी को नये तरह से देखें, है ऐसी दिशा ।

इस नयी दिशा से क्यों चलें हम?
जो चल रहा है, क्यों बदले हम?
यह नया सुर, यह नया ताल;
यह नया राग, यह नयी रागिनी,
क्यों सीखें हम?

ग़ौर से देखो, दौर नया है,
बदल रहा मौसम नया है।
तौर तरीक़ें बदल रहें हैं,
बदल रही सारी दुनिया है॥

इस नए दौर से क्यों डरते हो,
हिचकिचाहट क्यों करते हो।
ग़र जीना है इस दुनिया में,
तो बदलना ही है, हमें॥

इस नयी दिशा से चलकर देखें,
नया सपना सब मिलकर देखें।
यह नया होश है, नया जोश है,
नयी जान है; नया जहान॥

अर्थ वही, भावार्थ नया,
गाने का अंदाज़ नया।
है वही सुर, है वही ताल,
है वही राग; ख़याल नया॥

हो तुम वही, हैं हम वही,
हैं बोल वही, बोली नयी।
है दिल वही, धड़कन वही,
हैं साँस वही, एहसास नया॥

बदलना है पर समय कहाँ,
वक़्त के बड़े सख़्त यहाँ ।
फ़ुर्सत मिलेगी जब काम से,
तब बदलेंगें आराम से ।।

समझके वक़्त के तक़ाज़े को,
जो 'आ' करे बदलाव को;
बस वही टिकें रहेंगें,
बाक़ी सब ढ़ल जायेंगें ।

कालचक्र से कौन बचा है,
बीते कल से आज रचा है ।
तब की बात कुछ और रही,
अब जो है, अभी नही ।।

अब तक, जो करते आएँ हैं,
ग़र वही करतें रहेंगें ।
अब तक, जो पातें आएँ हैं,
वही पातें रहेंगें ।।

अब समय है निर्णय का,
तूँफा आँधी प्रलय का ।
बैठे रहे बहाने की आढ़ में,
तो बहे जायेंगें बाढ़ में ।।

बनें रहें कोल्हू के बैल;
वही बीज, तो वही तेल ।
मुक्त करें, बंधन को तोड़ें,
नयी पारी, नए लगन से खेलें।।

इस नयी दिशा से चलकर देखें,
नया सपना सब मिलकर देखें |
वीरानों में ख़िलकर देखें,
नयी अगन में जलकर देखें;
एक नयी लगन से ख़ुलकर देखें,
ख़ुद को बस, थोड़ासा बदलकर देखें ||

नयी दिशा है, नयी दिशा है, नयी दिशा,
इस नयी दिशा से चलकर देखें, नयी दिशा |

Written by Arvind in 1996 at Rajasthan, India

ARVIND NADKARNI

Founder